



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 124]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 17, 2009/आषाढ़ 26, 1931

No. 124]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 17, 2009/ASADHA 26, 1931

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 15 जुलाई, 2009

सं. टीएएमपी/6/2008-सीओपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार, 9 फरवरी, 2007 को अधिसूचित आदेश सं. टीएएमपी/63/2005-सीओपीटी द्वारा अनुमोदित कोचीन पत्तन न्यास के मौजूदा दरमान में संशोधन करता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएएमपी/6/2008-सीओपीटी

कोचीन पत्तन न्यास

आवेदक

आदेश

(जून, 2009 के 27वें दिन पारित)

यह मामला इस प्राधिकरण द्वारा आदेश सं. टीएएमपी/63/2005-सीओपीटी दिनांक 25 जनवरी, 2007 द्वारा अनुमोदित सीओपीटी के मौजूदा दरमान में संशोधन के लिए कोचीन पत्तन न्यास (सीओपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है। संशोधित दरमान सहित उक्त आदेश राजपत्र सं. 38 द्वारा 9 फरवरी, 2007 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित किया गया था।

2.1. मौजूदा दरमान का खंड 3.3.2 विलंब शुल्क प्रभारों की अनुसूची दो प्रमुख शीर्ष इकाई दर पर निर्धारित कार्गो और यथानुपात आधार पर निर्धारित कार्गो निर्धारित करता है।

2.2. सीओपीटी ने यह कहते हुए यथानुपात आधार पर मूल्यांकित कार्गो के लिए विलंब शुल्क प्रभारों की वसूली की इकाई में संशोधन का प्रस्ताव किया है कि उसके पूर्ववर्ती प्रस्ताव में हुई चूक के कारण विलंब शुल्क प्रभारों की वसूली की इकाई में शब्द 'प्रतिदिन अथवा उसका भाग' उल्लिखित नहीं किए गए थे।

2.3. अतः सीओपीटी ने इस प्राधिकरण से गलती को ठीक करने का अनुरोध किया है और प्रस्ताव किया है कि यथानुपात आधार पर निर्धारित कार्गो के लिए वसूली की मौजूदा इकाई "लागू घाटशुल्क के % रूप में निर्धारित दर प्रतिदिन अथवा उसका भाग"।

2.4. पत्तन ने बताया है कि हालांकि इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरमान प्रतिदिन वसूली विनिर्दिष्ट नहीं करता है, इसलिए यथानुपात आधार पर निर्धारित कार्गो के लिए विलंबशुल्क प्रभार दरमान में निर्धारित घाटशुल्क दर के प्रतिशत स्तर पर केवल प्रतिदिन आधार पर वसूल किया जा रहा है।

3. निर्धारित परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार मौजूदा दरमान में संशोधन के लिए सीओपीटी का प्रस्ताव संबद्ध उपयोक्ताओं/उपयोक्ता संगठनों को उनकी टिप्पणियां मांगने के लिए परिचालित किया गया था। उपयोक्ताओं/उपयोक्ता संगठनों से प्राप्त टिप्पणियां सीओपीटी को अग्रेषित की गई थीं। सीओपीटी ने उपयोक्ताओं/उपयोक्ता एसोसिएशनों की टिप्पणियों पर अपनी टिप्पणियां भेजी हैं।

4. इस मामले में संयुक्त सुनवाई 20 जनवरी, 2009 को सीओपीटी परिसर में आयोजित की गई थी। संयुक्त सुनवाई में, उपस्थित उपयोक्ताओं ने पहले दिए गए अपने लिखित निवेदनों में पहले से संश्लेषित के अलावा कोई और टिप्पणी नहीं की थी।

5. इस मामले में परामर्शी संबंधी कार्यवाहियां इस प्राधिकरण के कार्यालय में अभिलेखों में उपलब्ध हैं। संबद्ध पक्षों से प्राप्त टिप्पणियों का सार प्रासंगिक पक्षों को अलग से भेजा जाएगा। ये व्योरे हमारी वेबसाइट <http://tariffauthority.gov.in> पर भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

6. इस मामले की कार्यवाही के दौरान एकत्र की गई समग्र सूचना के संदर्भ में, निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है :—

- (i) दिसम्बर, 1998 में इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित दरमान जो मौजूदा दरमान से पहले था, की जाँच करने पर, यह पाया गया है कि इकाई दर पर निर्धारित कार्गो और यथानुपात आधार पर निर्धारित कार्गो दोनों के लिए विलंबशुल्क की वसूली की इकाई दर प्रतिदिन अथवा उसका भाग आधार पर विनिर्दिष्ट की गई है। मौजूदा दरमान को अनुमोदित करने संबंधी कार्यवाहियों में, इस स्थिति में संशोधन करने पर कोई चर्चा नहीं की गई थी जो सुझाव देती है कि दरमान में प्रकट चूकवश त्रुटि के कारण है।
- (ii) जैसाकि सीओपीटी द्वारा सही बताया गया है, यदि विलंबशुल्क यथानुपात आधार पर मूल्यांकित कार्गो पर दिनों की संख्या के संदर्भ में वसूल नहीं किया जाता है तो यह संभव है कि कार्गो जो लगभग 45 दिनों के लिए रुकता है और कार्गो जो उक्त अवधि के बाद रुकता है, विलंबशुल्क प्रभार की इसी रकशि का भुगतान करना जारी रखना होगा जोकि एक विसंगति है। विलंबशुल्क प्रभार सामान्यतः पत्तन परिसर में कार्गो के विराम की अवधि के संदर्भ में लागू होता है। अधिकांश अन्य महापत्तन न्यासों के दरमान “प्रतिदिन अथवा उसका भाग” आधार पर इस प्रशुल्क मद की वसूली की इकाई निर्धारित करते हैं। सीओपीटी के दरमान में भी, भार की इकाई पर आधारित निर्धारित कार्गो पर विलंबशुल्क प्रतिदिन अथवा उसका भाग आधार पर निर्धारित किया जाता है। उपर्युक्त बिन्दुओं के मद्देनजर, मौजूदा दरमान में संशोधन करने के लिए सीओपीटी द्वारा किए गए निवेदन पर पक्षीय विचार किया गया है।
- (iii) कई उपयोक्ता एसोसिएशनों ने मौजूदा दरों में मुख्यतः वृद्धि करने के लिए प्रस्तावित संशोधन पर आपत्ति उठाई है। पत्तन ने पुष्टि की है कि पत्तन को कोई अतिरिक्त राजस्व प्राप्त नहीं होगा और इसलिए मौजूदा उपयोक्ताओं पर भी कोई अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ेगा, पत्तन उक्त कार्गो मदों पर विलंबशुल्क केवल प्रतिदिन आधार पर वसूल करता है।
- (iv) कुछ उपयोक्ता एसोसिएशनों ने यथामूल्य आधार पर कार्गो संबंधित प्रभारों की वसूली के मुद्दे को उठाया था। सीओपीटी ने पत्तन द्वारा दाखिल सामान्य संशोधन प्रस्ताव में इस बिन्दु को लिया है जिस पर अलग-से कार्यवाही की जा रही है। सीओपीटी ने यथामूल्य आधार पर कुछ कार्गो मदों पर घाटशुल्क वसूल करने की मौजूदा पद्धति से दूर रहने का प्रस्ताव किया है।
- (v) कोचीन कस्टम हाऊस एजेंट्स एसोसिएशन और कोचीन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने प्रस्तावित संशोधन को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू नहीं करने का निवेदन किया है। चूंकि वह कार्यवाही मौजूदा दरमान में केवल एक त्रुटि को सही करने के लिए है, इसलिए प्रतिदिन आधार पर कार्गो मदों पर विलंबशुल्क प्रभार वसूल करने के लिए पत्तन द्वारा की गई अभी तक की कार्यवाही भी शोधित की गई है।

7. परिणामस्वरूप, और उपर्युक्त कारणों से, और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर, यह प्राधिकरण सीओपीटी के मौजूदा दरमान के विलंबशुल्क प्रभार की 3.2.2 अनुसूची में चौथे स्तंभ, दूसरी पंक्ति “दर लागू घाटशुल्क के % रूप में निर्धारित” को “दर लागू घाटशुल्क के % रूप में निर्धारित प्रतिदिन अथवा उसका भाग” में बदलते हुए संशोधित करता है।

अरविन्द कुमार, सदस्य

[विज्ञापन III/4/143/09-असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS**NOTIFICATION**

Mumbai, the 15th July, 2009

No. TAMP/6/2008-COPT.—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby amends the existing Scale of Rates of Cochin Port Trust approved *vide* Order No. TAMP/63/2005-COPT notified on 9th February, 2007, as in the Order appended hereto.

Tariff Authority for Major Ports**Case No. TAMP/6/2008-COPT****Cochin Port Trust****...Applicant****ORDER**

(Passed on this 27th day of June, 2009)

This case relates to a proposal received the Cochin Port Trust (COPT) for amendment in the existing Scale of Rates of the COPT approved by this Authority *vide* Order No. TAMP/63/2005-COPT, dated 25th January, 2007. The said Order along with the revised Scale of Rates was notified in the Gazette of India on 9th February, 2007 *vide* Gazette No. 38.

2.1. Section 3.3.2 of the existing Scale of Rates prescribes the Schedule of Demurrage charges under two main headings of cargo assessed on unit rate and cargo assessed on advalorem basis.

2.2. The COPT has proposed to amend the unit of levy of demurrage charges for cargo assessed on advalorem basis pointing out that the words "per day or part thereof" were not mentioned in the unit of levy of demurrage charges due to an omission made in its earlier proposal.

2.3. The COPT has, therefore, requested this Authority to rectify the mistake and proposed that the existing unit of levy for cargo assessed on advalorem basis be amended as "Rate prescribed as % of wharfrage applicable per day or part thereof".

2.4. The port has reported that though the Scale of Rates approved by this Authority does not stipulate per day levy, demurrage charge for cargo assessed on advalorem basis is being collected at the percentage level of the wharfrage rate prescribed in the Scale of Rates on per day basis only.

3. In accordance with consultation procedure prescribed, the proposal of the COPT for amendment in the existing Scale of Rates was circulated to the concerned users/user organisations seeking their comments. The comments received from users/user organisations were forwarded to COPT. The COPT has furnished its observations on the comments of the users/user associations.

4. A joint hearing in this case was held on 20th June, 2009 at the COPT premises. At the joint hearing, the users present had no further comments to add than those conveyed already in their written submissions made earlier.

5. The proceedings relating to consultation in this case are available on records at the office of this Authority. An excerpt of the comments received from the concerned parties will be sent separately to the relevant parties. These details will also be made available at our website <http://tariffauthority.gov.in>

6. With reference to the totality of the information collected during the processing of this case, the following position emerges :

- (i) On examining the Scale of Rates approved by this Authority in December 1998 which was prior to the existing Scale of Rates, it is observed that the unit of levy of demurrage is stipulated as rate per day or part thereof basis both for cargo assessed on unit rate and for cargo assessed on advalorem basis. In the proceedings relating to approving the existing Scale of Rates, no discussion was made to alter this position which suggests that the change appeared in the Scale of Rates is due to an inadvertent error.
- (ii) As rightly stated by the COPT, if demurrage is not levied with reference to number of days on cargo assessed on advalorem basis, then it is possible that the cargo which stays for nearly 45 days and the cargo which stays beyond the said period will continue to pay the same amount of demurrage charge which is an anomaly. The demurrage charge is generally applicable with reference to the duration of stay of cargo in the port premises. The Scale of Rates of most of the other Major Port Trusts prescribe unit of levy of this tariff item on "per day

or part thereof" basis. Even in the Scale of Rates of the COPT, demurrage on cargo assessed based on the unit of weight is prescribed on per day or part thereof basis. In view of the above points, the submission made by the COPT to amend the existing Scale of Rates merits favourable consideration.

- (iii) Many of the user associations have objected the proposed amendment mainly apprehending an increase in the existing rates. The port has confirmed that no additional revenue will accrue to the port and hence no additional financial impact will be on the users as even presently, the port collects demurrage on the said cargo items on per day basis only.
- (iv) Some of the user association have agitated the issue of levy of cargo related charges on advalorem basis. The COPT has addressed this point in the general revision proposal filed by the port which is being processed separately. The COPT has proposed to do away with the existing practice of levying wharfage on some of the cargo items on advalorem basis.
- (v) The Cochin Custom House Agent's Association and the Cochin Chamber of Commerce & Industry have submitted not to implement the proposed amendment with retrospective effect. Since the exercise is only to rectify an error in the existing Scale of Rates, the action taken by the port in collecting the demurrage charge on cargo items on per day basis so far is also ratified.

7. In the result, and for the reasons given above, and based on collective application of the mind, this Authority amends the fourth column, second line in the 3.2.2. Schedule of Demurrage Charge of the existing Scale of Rates of the COPT by replacing the words "Rate prescribed as % of wharfage applicable" with "Rate prescribed as % of wharfage applicable per day or part thereof".

ARVIND KUMAR, Member

[ADVT III/4/143/09-Exty.]